BSKS – 191

बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य

(जनवरी, **2024** एवं जुलाई, **2024** सत्रों के लिए)

BSKS – 191 भारतीय वास्तुकला प्रणाली

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- **110068**

बी.ए. (कार्यक्रम) संस्कृत-कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2024)

पाठ्यक्रम कोड : **BAG/BSKS -191/2024**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य **(TMA)** है। सत्रीय कार्य के लिए **100** अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:

जनवरी, 2024 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2024

जुलाई, 2024 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2025

सत्रीय कार्य : **BSKS – 191** भारतीय वास्तुकला प्रणाली

पाठ्यक्रम कोड **BSKS – 191**

पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय वास्तुकला प्रणाली

सत्रीय कार्य : **BSKS – 191/TMA/2024**

पूर्णांक : 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : -

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न : - **15X3=45**

1. अधोलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: -

(अ) गृहस्थस्य क्रियाः सर्वा न सिद्ध्यन्ति गृहं विना ।

यतस्तस्माद् गृहारम्भप्रवेशसमयौ ब्रुवे ।।

अथवा

क्षेत्रमादौ परीक्ष्येत गन्धवर्णरसप्लवैः ।

सुमध्वाज्यान्नपिशितं गन्धं विप्रानुपूर्वकम् ।।

(ब) अर्धनिर्मितं कृतं वा प्रविशन् स्थपतिर्गृहे निमित्तानि ।

अवलोकयेद् गृहपतिः क्व संस्थितः स्पृशति किं चाङ्गम् ।।

अथवा

एकादशभागयुतः ससप्ततिर्नृपबलेशयोर्व्यासः ।

उच्छ्रायोऽङ्गुलतुल्यो द्वारस्यार्धेन विष्कम्भः ।।

(स) मार्गतरुकोणकूपस्तम्भभ्रमविद्धमशुभदं द्वारम् ।

उच्छ्रायाद्विगुणितमितां त्यक्त्वा भूमिं न दोषाय ।।

अथवा

एकाशीतिविभागे दशदश पूर्वोत्तरायता रेखाः- ।

अन्तस्त्रयोदश सुरा द्वात्रिंशद्बाह्यकोष्ठस्थाः ।।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए :- **10X3=30**

1. वास्तुशास्त्र का परिचय देते हुए वास्तुशास्त्रीय प्रमुख ग्रन्थों का वर्णन कीजिए ।

2. भूमि परीक्षण के विषय में विस्तृत विवेचन कीजिए ।

3. भूमि में शकुन के द्वारा तथा सूत्र प्रसारण के समय शल्य का ज्ञान किस प्रकार किया जाता है? स्पष्ट कीजिए ।

4. पञ्चचतुश्शाल गृहों का विस्तार सहित वर्णन कीजिए ।

5. एकाशीतिपद वास्तुमण्डल पर प्रकाश डालिए ।

(ग) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए: - **5X5=25**

(i) वास्तुपुरुष का स्वरूप (ii) वृष वास्तुचक्र

(iii) गृहमेलापक (iv) मर्म स्थान

(v) गवाक्षादि विचार